



Depreciation Free Diwali मोबाइल, इलेक्ट्रोनिक गेजेट्स या कार नहीं खर्चीदो कोठी 10लाख Appreciation वाली

FIXED
PRICENO MIDDLE-MEN
DIRECT TO
CUSTOMER

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

— अजमेर रोड, जयपुर —

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट	आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेट
युनिट टाइप	साइज			
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS

POSSESSION
DEC. 2025

 **KEDIA®**

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH
QR CODEDOWNLOAD
BROCHURELOCATION
QR CODEROUTE
MAPSITE TOUR
360 DEGREE

*T&C Apply



मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज पूरे देश का गैरव है। इन्होंने न जाने के तरफ देखते हुए एक एजेंटों आमी पौरकर (वी-पौरकर) ने भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पास शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति मिल गई है। प्रतिमा स्थापना कार्य के लिए भूमि पूजन मार्ग के अंत तक होगा। शिवाजी के पदचारी से पवित्र हुए रायगढ़, तोराना, शिवाचारी, राजगड़ और प्रतापगढ़ किलों की मिट्टी और पानी को भूमि पूजन के लिए एस्ट्रा एम्के-1 लाइट कॉम्बैट एस्ट्रा एम्के-1 मिसाइलों के थोक उत्पादन के लिए भारत डायामिक्स (बीडीएल) को मंजूरी भी मिल गई है। हाल ही में तेजस विमान से भी इसका सफल परीक्षण किया गया था। भारतीय वायु सेना और नौसेना पहले से एस्ट्रा मिसाइल का इस्तेमाल की सहायता से 160 किमी। वायु सेना के विस्तारित सीमा के साथ एस्ट्रा एम्के-2 को विकसित किया जाना है। भारतीय वायु सेना और नौसेना पहले से एस्ट्रा मिसाइल का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन अब एस्ट्रा एम्के-1 मिसाइलों को भारतीय वायु सेना के मिंग-29ए विमानों के साथ लैस किए जाने की योजना है। वायु सेना ने पहले ही इन मिसाइलों के लिए एस्ट्रा एम्के-1 मिसाइलों को भारतीय वायु सेना और नौसेना के मिंग-29ए विमानों के साथ लैस किए जाने की योजना है। वायु सेना ने एस्ट्रा एम्के-1 मिसाइल का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन अब एस्ट्रा एम्के-1 मिसाइलों को भारतीय वायु सेना के मिंग-29ए विमानों के साथ लैस किया जा रहा है। बीडीएल को स्वदेशी एस्ट्रा एम्के-1 वियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-

शरद पवार की अजित पवार को लेकर की गई भविष्यवाणी से एनसीपी के दोनों गुट आमने-सामने

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार की ओर से अजित पवार को लेकर की गई भविष्यवाणी ने एनसीपी के दोनों गुटों को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। एनसीपी संसद सुप्रिया सुले ने पुणे में अपने बयान में कहा था कि अजित पवार अगर सीएप्प बने तो उनके गुट में पहला हार मैं खुद डालूँगा। सुप्रिया के बयान पर उनका प्रतिक्रिया पवार ने कहा कि एनसीपी ने कहा था कि अजित पवार को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। अजित पवार ने कहा कि अजित पवार को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। अजित पवार के बाद समर्थक विधायक अंदालत के अपने मिट्टकरी के हाथ, शरद पवार को लेकर राजनीतिक विशेषक कहते हैं कि पवार साहब जो बोलते हैं तो अजित पवार को बोलते हैं।



मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। द्वारांकित अधिकारिक तौर पर शिरोमणि वाली की ओर से एक फैटरी में मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में जरिस्टर संजय किशन कौल की अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग से किसी के हताहत होने की कोई सुचना नहीं है। द्वारांकित अधिकारियों ने बताया कि शराब विक्री पर रोक का आवेदन देना लोगों पर राज्य का अधिकार नियंत्रण देना होगा। इसकी वजह से आगे और समस्याएं पैदा होंगी। वही याचिकाकर्ता डॉक्टर की ओर से कहा गया कि युवा बहुत अधिक उनका विकास के संबंध में कोई चर्चा विक्री पर नहीं की है। आपको बता दें कि शिरोमणि वाली बोर्डर पर 106 विधायकों के साथ वीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है। जबकि शिरोमणि वाली बोर्डर पर पूरी तरह से प्रतिवाद लगा दिया है, वही अन्य ने इसकी विक्री को प्रोत्साहित किया है। इसकी विक्री को प्रोत्साहित करें, ये

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वायु सेना के हायथरार खजाने में इस साल के अंत तक स्वदेशी एयर टू एयर एस्ट्रा एम्के-1 मिसाइल शामिल हो जाएंगे।

फिलहाल एनजीओ के कम्पनी के कुपवाड़ा में प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति मिल गई है।

प्रतिमा

स्थापना कार्य के लिए भूमि पूजन मार्ग के अंत तक होगा।

शिवाजी के पदचारी से पवित्र हुए एक एजेंटों आमी पौरकर (वी-पौरकर) ने भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पास शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति मिल गई है।

प्रतिमा

स्थापना

कार्य

के लिए भूमि पूजन मार्ग के अंत तक होगा।

शिवाजी

के पदचारी

के

पर

प्रतिमा

स्थापना

कार्य

के

लिए

भूमि

पूजन

मार्ग

के

अंत

तक

होगा।

शिवाजी

के

पदचारी

के

लिए

भूमि

पूजन

मार्ग

के

अंत

तक

होगा।

शिवाजी

के

पदचारी

के

लिए

भूमि

पूजन

मार्ग

के

अंत

तक

होगा।

शिवाजी

के

पदचारी

के

लिए

भूमि

पूजन

मार्ग

के

अंत

तक

होगा।

शिवाजी

के

पदचारी

के

लिए

भूमि

पूजन

मार्ग

के

अंत

तक

होगा।

शिवाजी

के

पदचारी

के

लिए

भूमि

पूजन

मार्ग

के

अंत

तक

होगा।

शिवाजी

के

पदचारी

के

लिए

भूमि

पूजन

मार्ग

के

अंत

तक

होगा।

शिवाजी

के

पदचारी

के

लिए

भूमि

पूजन

मार्ग

के

अंत

तक

होगा।

शिवाजी

के

शनिवार, 14 अक्टूबर, 2023 5

पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी शमशाबाद हवाई अड्डे से गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वाता)। वरिष्ठ कांगड़े नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कारुणी सांबांवाराव की बेटी एयरपोर्ट पहुंची श्रीवाणी को महाराष्ट्र पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ने श्रीवाणी को शमशाबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया और उसे खिलाफ महाराष्ट्र में धोखाधड़ी का मामले के बाद पीटी वारंट पर महाराष्ट्र ले जायेगी।

धोखाधड़ी के एक मामले के तहत महाराष्ट्र पुलिस ने उसके खिलाफ तुक

आउट सफ्टल (एलओसी) जारी किया था। कारुणी श्रीवाणी दुर्बुल जाने के लिए गुवार गत शमशाबाद एयरपोर्ट पहुंची हैवाई अड्डे के अधिकारियों ने तुरंत महाराष्ट्र पुलिस को सूचित किया, जो शमशाबाद हवाई अड्डे पर पहुंची और उसे हिरासत में लिया। पुलिस श्रीवाणी को राजेंगार कोटी में वेश करने के बाद पीटी वारंट पर महाराष्ट्र ले जायेगी।



श्री श्याम चक्री, हैदराबाद
(6304406205)

पितृ पक्ष अमावस्या के अवसर पर लोह पुरुष सेवा समिति द्वारा भजन संथामें सभी भक्तगण सपरिवार इन्विटेशन सहित सादर आमंत्रित हैं।

आज शनिवार 14 अक्टूबर 2023, सायं 4 बजे से (प्रसादी : सायं 6 बजे से)

स्थान : लोह पुरुष जी धाम, गर्ज स्टील के समीप, IDA बौतारम, हैदराबाद

संपर्क सूची : दर्शन अब्राहाम (7989506871)

पितृमोक्ष

अमावस्या



श्री समर्थ कामधेनु गौशाला

श्री सदगुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवामग, जियागुड़ा, हैदराबाद, फोन : 9296358630, 7013711317



आज शनिवार, 14-10-2023 को पितृमोक्ष अमावस्या है।

“गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सूख-समृद्धि एवं ऐरेचर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।” जौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उताएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।

Online गौ सेवा के लिये (For Income Tax Exemptions u/s 80g)

SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST

SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054

SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM

SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790

PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317



सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

ब्रिगेट रोड में 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाइल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP



श्री गोपाल गौशाला

संत विनोदानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इंद्राहिमपटनम आज शनिवार, 14-10-2023 को पितृमोक्ष अमावस्या है।

अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन दैनंदिन में जमा करा सकते हैं।

विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षांग, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा देते हैं।

21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।

अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-

एक गाय की सालिक सेवा 1100/-

गूरु - दलित या बुद्धिमुद्रा एक दिन की सेवा 3100/-

एक DCM जारी घोषित या एक समय की संसर्व 11,000/-

गौशाला की सेवा करना चाहते हैं।

SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHILIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025

निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)

सम्पर्क सूची : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतीरें गंग - 9346098880, महावीरप्रसाद जग्गाल - 9246340476,

जूनून गोपत - 9390389055, विनोद गंग (ट्रैटी-लेटा जोड़ा) - 9885237833

गौशाला व्यवस्थापक : राजुराम सेला - 8019106318, रमेश कारवा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीजन

MEENKOH

श्री गोपाल गौशाला

सोमाराम ब्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)

सर्वनेह निमंत्रण

सर्वपितृ अमावस्या

गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी

सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संज्ञाय में पारकार गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रतिष्ठितों से निवेदन है कि वे दान-पूज्य का कार्य जगत-पे/फोन-ये द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पूर्ण।

दूरभास : 9866405646, 9346917593

Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI

A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429

HDFC Bank, Kanajiguda Branch

श्री विश्व मंगल गौशाला

सोमाराम ब्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)

श्री विश्व मंगल गौशाला

सोमाराम ब्राम, मेडचल, हैदराबाद

श्री विश्व मंगल गौशाला

स

कब होगी सुरक्षित रेल यात्रा

ओड़िशा के बालासोर में हुए रेल हादसे को वीभत्स घटना को लोग भूले भी नहीं थे कि बुधवार की रात दिल्ली से कामाख्या जा रही नार्थ-ईस्ट एक्सप्रेस विहार में बक्सर जिले के रघुनाथपुर स्टेशन के पास से बेपटरी हो गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और अनेकों के घायल होने की पुष्टि हुई है। इस भीषण रेल दुर्घटना को लेकर रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल उठना स्वाभाविक है। खबरों के अनुसार नार्थ-ईस्ट सुपरफास्ट ट्रेन की इक्कीस बोगियां पटरी से उतर गईं। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण रेल पटरी में खारबी बताई जा रही है। मगर इससे रेलवे को अपने बचाव का आधार नहीं मिल जाता। फिरभी घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और असल वजह तो अब जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकती। फिलहाल, गनीमत रही कि इसमें बालासोर जैसा बड़ा हादसा नहीं हुआ, जिसमें दो गाड़ियां आपस में टकरा गई थीं। जैसा होता आया है कि हर रेल हादसे के बाद मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजे की घोषणा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले की लीपापोती की कोशिश की जाती रही है, वही इस बार भी हुआ है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हर दुर्घटना के बाद रेल सुरक्षा के संकल्प दोहराए जाते हैं लेकिन दिन बीतने के साथ ही इसे भुला दिया जाता है। ऐसे में हमेशा यही तर्क दिया जाता है कि रेल लाइनों पर गाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। बहुत सारी लाइनें पुरानी होने की वजह से दबाव नहीं झेल पा रही हैं, इसलिए उनमें खारबी आ जाती है। रेल प्रशासन का यह तर्क गले नहीं उतरता। कुछ वर्षों से रेलगाड़ियों को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के दावे बढ़-चढ़ कर किए जा रहे हैं। अनेक तेज रफ्तार गाड़ियां भी चलाई जा रही हैं। इसके अलावा रेल किरण में भी अच्छी-खासी बदोतरी हुई है। रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा जा रहा है। दावा किया जाता है कि रेलों को हवाई सुविधाओं की तरह बनाया जा रहा है। लेकिन जब रेल का सफर ही सुरक्षित नहीं होगा, उसमें चलने वालों में यह भरोसा पैदा नहीं होगा कि वे अपनी मंजिल तक सुरक्षित पहुंच जाएंगे, तब तक उन दावों का कोई ऐच्छिक नहीं रह जाता। रेल दमारे देश की

तक तक इन दाया या गाइ आकर पहुँचे हैं तो जाना रहना दरा या सबसे बड़ी परिवहन व्यवस्था है। आज भी सामान्य आयर्वर्ग के लिए इससे सस्ता और सुविधाजनक साधन देश में दूसरा कोई नहीं है। लेकिन रेल हादसों, उनमें चोरी, डकैती, महिलाओं के साथ बदसलूकी और यात्रियों के साथ लूट-खसोट जैसी घटनाओं पर अंकुश न लगापाने के कारण बहुत सारे लोग इसमें सफर करने से कतराने लगे हैं। बजट दर बजट रेल को सुरक्षित बनाने का वादा किया जाता है, मगर नतीजा सिफर ही निकलता है। आज जब हर क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, रेलों को भी सुरक्षित बनाने के मकसद से टक्कररोधी उपकरण लगाने, पटरियों की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक कंप्यूटरीकृत व्यवस्था विकसित करने की परियोजना शुरू की गई थी। रेलों में आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाने और हर बोगी को अत्याधुनिक संचार प्रणाली से जोड़ने की योजना चलाई गई थी तो उसका परिणाम क्या निकला है? इसके बाद भी यदि कुछ समय के अंतराल पर रेलें पटरी से उतर जा रही हैं, परस्पर टकरा जाती हैं, तो जाहिर है, सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं पर गंभीरता से मूल्यांकन करने की जरूरत है। दुनिया में इतने रेल हादसे कहीं नहीं होते, जितने भारत में होते हैं, जबकि अनेक देशों में यहाँ से अधिक रफ्तार की गाड़ियां चलती हैं। इसके बाद भी वहां दुर्घटनाएं न के बराबर होती हैं। समझ परे है कि इतने लंबे समय से रेलों को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के बाद किए जाने के बाद भी अन्य देशों से आधुनिक तकनीक लेने की कोशिश क्यों नहीं की जा रही है, ताकि यात्री सुरक्षित अपने गंतव्य तक की यात्रा कर सकें।

अज्ञानता के अंधेरे में ज्ञान का उजाला



ਸਾਂਜੀਵ ਠਾਕੁੰ

यह सवावादित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैं। संस्कृति ने नए संस्कृति ने नए नए आयाम का सृजन किया है वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप है। यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है। जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर हांगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी। मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा, भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है। शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है। शिक्षा भी स्पाति चुका ह काइ भा भद्रमाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है। पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहां पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है। यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देवीष्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन, बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इवारत लिखी है। टमसी थेर भागत की संस्कृति

मूलनका हाता ही राजा ना समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है। शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊँचाइयां भी शामिल रहती हैं। शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊँचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद, पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है। वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एककार हो बूत्तरा जारी नारा का संस्कृता, सभ्यता और समाज में संदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमत्ता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है। 1 राजनीति तो संदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यन्त उल्लेखनीय है। भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ़ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए संदैव कर सकते हैं।

क्या चुनावी रेवड़ियां सत्ता में वापरी की चाभी हैं?

लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल कहे जाने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान हो गया है। हिंदी पट्टी के राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच ही होना है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। साढ़े नौ साल से केंद्र की सत्ता में रहने के बाद नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनाव लिटमस टेस्ट से कम नहीं होगा। यह चुनाव इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि सभी राज्यों में सरकारों ने लोक लुभावन घोषणाएं करने के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इन चुनावों में फ्रीबीज या चुनावी रेवड़ियों की भी परीक्षा होने वाली है। विपक्ष के जातीय जनगणना के दांव पर जनता का रुख भी इन चुनावों में पता चलने वाला है। राज्यवार बात करें तो राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले पांच साल से अपनी कुर्सी को बचाते आ रहे हैं। पांच साल में कई ऐसे अवसर आए, जब लगा कि गहलोत की सरकार गिर जाएगी। वर्ष 2020 में ठीक कोरोना के बीच कांग्रेस में बगावत हो गई थी। राजनीति के जादूगर अशोक गहलोत की सूझबूझ से सरकार बच तो गई, लेकिन मुख्यमंत्री निर्दलीय विधायकों पर आश्रित होकर रह गए। उसी का नतीजा था कि मुख्यमंत्री गवर्नेंस से ज्यादा विधायकों को खुश करने में जुटे रहे। चुनाव से ठीक छह महीने पहले गहलोत ने लोकलुभावन घोषणाओं की इड़ी लगा दी। बिजली लेकर मुफ्त मोबाइल बही कोई सेक्टर होगा, गहलोत ने घोषणा की बढ़ाकर 53 जिले तक जाति के आधार पर बोबाय गहलोत जहां अपनी जो योजनाओं के दम पर तो का दम भर रहे हैं, तो जनता पार्टी भ्रष्टाचार, वेपरलीक, तुष्टिकरण आधार बना रही है। हाल जनता पार्टी की राज्य इस प्रतिफूटता के चलते चुनाव के चेहरे पर लड़ा जा रहा है। रोचक बात यह है कि कांग्रेस का गांधी परिवर्त चुनाव गहलोत बनाम गया है। पिछली बार वह तक लाने वाले सचिन तो भाजपा की स्टर मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे दरकिनार कर दिया राजस्थान में पिछले तीन पांच साल पर सत्ता बदलने 3 दिसंबर को पता चल बदलेगा या नहीं।

मध्य प्रदेश में वर्ष 2021 जनता पार्टी की कांग्रेस कम रह गई थीं। वज्रजोतिरादित्य सिंधिय अनुभवी कमलनाथ बागड़ेर सौंप दी थी, जो की बगावत के चलते पार्टी पुनः सत्ता में आई चौहान फिर मुख्यमंत्री

बिल माफी से पर्टने तक शायद जिसके लिए की हो। 33 से कर दिए गए। ८८ बना दिए गए। उनकल्प्यानकारी सत्ता में वापसी को वहीं भारतीय कानून व्यवस्था, जैसे मुद्दों को लांकिं, भारतीय कार्काई में आपसी नाव नरेंद्र मोदी हा है। के राजस्थान से वार नदारद है। मोदी का बन कंग्रेस को सत्ता पायलट मौन है नेता और पूर्व ने को पार्टी में गया है। न दशक से हर लती आ रही है। लेगा कि रिवाज 2018 में भारतीय न से चंद सीटें कंग्रेस ने युवा की जगह को सत्ता की लेकिन सिंधिया भारतीय जनता। शिवराज सिंह बने, लेकिन मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री बदलने के कायास चलते रहे। अभी भले चुनाव शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते हुए लड़ा जा रहा है, लेकिन यदि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में लौटती है तो उन्हीं को कुर्सी मिलेगी, इसका कोई स्पष्ट संकेत पार्टी की ओर से नजर नहीं आ रहा है। इस बार जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से लेकर कद्दावर कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों को टिकट दिया है तो उससे भी शिवराज सिंह चौहान की बेचैनी बढ़ी है। हालांकि, चौहान भी फ्रीबीज के सहारे सत्ता वापसी की चार्भी ढूँढ रहे हैं। कंग्रेस में मुख्य चेहरा कमलनाथ का ही नजर आ रहा है। वह अपने एक साल के कार्यकाल को लेकर जनता को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। कंग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने भी मध्य प्रदेश में कंग्रेस की ओर से मोर्चा संभाला हुआ है। पिछले कुछ दिनों में प्रियंका के कई दौरे हुए हैं। सत्ता विरोधी लहर के बीच भाजपा के लिए सत्ता में वापसी उतनी आसान नहीं है, लेकिन कमजोर कंग्रेस किस तरह टक्कर दे पाएगी, यह चुनाव नतीजों से पता चलेगा। छत्तीसगढ़ में 15 साल सत्ता से बाहर रहने के बाद वर्ष 2018 में कंग्रेस को सत्ता हासिल हुई थी। भूपेश बघेल को मुख्यमंत्री बनाया गया। राजस्थान और मध्य प्रदेश के मुकाबले छत्तीसगढ़ में कंग्रेस बेहद अच्छी स्थिति में है। हालांकि, राज्य में भूपेश बघेल और टी.एस.सिंह देव में कुछ वैसी ही नोकझोंक चलती रही, जैसी राजस्थान में सभी में आल में सभी के फैर रेविंग बघेल आ न के पर मुख्य ज्याल कि र प्रधान दक्षिण के.च सत्ता हुए हैं बहुमु कि उ उन्हें उपरान्ती पार्टी उपचर जिसके है विरो है। अब की अल्ल योज निश रूप है। कंग्रेस दूसरे

चिन पायलट और अशोक गहलोत चल रही थी। भूपेश बघेल नाकमान को साधकर कुर्सी बचाने लिए भूपेश बघेल ने भी चुनावी ड्रों का सहारा लिया है। अब तक तक काफी मजबूत स्थिति में नजर रहे हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी गास कोई मजबूत चेहरा नहीं है। पूर्व प्रमंत्री रमन सिंह पिछले पांच साल दा सक्रिय नहीं रहे। यही कारण है वहां पर भी भारतीय जनता पार्टी को नमंत्री नरेंद्र मोदी का सहारा है। युन के राज्य तेलंगाना में दंदशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति में है। राव दो बार से सत्ता में बने हैं। जिस तरह से वर्ष 2018 में उन्हें नियमित मिला था तो कहा जा सकता है उनकी लोकप्रियता का ग्राफ काफी ऊपर है। हालांकि, राव भी सरकार धी लहर का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस के साथ भारतीय जनता से भी चुनौती मिल रही है। चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने तरह से प्रदर्शन किया तो लग रहा कि वो यहां तीसरी ताकत बन रही के। चंद्रशेखर राव ने भी कोई ऐसा सर नहीं छोड़ा, जहां उन्होंने मुफ्त घोषणाएं न की हों। खासकर परसंख्यकों को लेकर उनकी नाओं को भारतीय जनता पार्टी ने निश्चित पर लिया। तेलंगाना में निश्चित से त्रिकोणीय मुकाबला रहने वाला चंद्रशेखर राव की बीआरएस, स और भारतीय जनता पार्टी एक-से मुकाबला करते नजर आएंगे।

मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट का सरकार है और उसने वर्ष 2018 में 40 सीटों वाली विधानसभा में 26 सीटें जीती थीं। यहां पर मुख्य रूप से मुकाबला मिजो नेशनल फ्रंट और जौरम पीपुल्स मूवमेंट के बीच है। राष्ट्रीय पार्टियों यहां अपनी जमीन नहीं तैयार कर सकी हैं। जहां तक तीसरे मोर्चे या अन्य दलों की बात है तो वो अभी कहीं नहीं नजर आ रहे हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने कुछ महीने पहले जोर-शोर से प्रचार किया था, लेकिन उसके प्रचार की गति धीमी पड़ चुकी है। राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी कुछ सीटों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, वह भाजपा और कांग्रेस का मुकाबला कर पाएगी, यह मुश्किल लगता है। भारतीय ट्राइबल पार्टी राजस्थान और मध्य प्रदेश की कुछ सीटों पर प्रभाव डाल सकती है। कुछ-कुछ यही स्थिति बहुजन समाज पार्टी की भी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के उत्तर प्रदेश से लगते इलाकों में बहुजन समाज पार्टी का प्रभाव है। इन चुनावों में नवगठित इंडिया गठबंधन का भी टेस्ट होना बाकी है। यह देखना होगा कि लोकसभा से पांच महीने पहले हो रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में यह गठबंधन एकजुट रहता है या नहीं। यदि आपसी प्रतिद्वंद्वी को छोड़कर इंडिया गठबंधन के दल पांचों राज्यों में एकजुट हो जाएं तो भारतीय जनता पार्टी को वर्ष 2024 में बड़ी चुनौती दे सकते हैं।

शादी-ब्याहः बढ़ता दिखावा-घटता अपनापन



डॉ सत्यवान सौरभ

और आपसी स्नेह खत्म हो चुका है। रस्म अदायगी पर मोबाइलों से बुलाये जाने पर कमरों से बाहर निकलते हैं। सब अपने को एक दूसरे से रईस समझते हैं। और यही अमीरीयत का दंभ उनके व्यवहार से भी झलकता है। कहने को तो रिसेदार की शादी में आए हुए होते हैं परंतु अहंकार उनको यहां भी नहीं छोड़ता। वे अपना अधिकांश समय करीबियों से मिलने के बजाय अपने अपने कमरों में ही गुजार देते हैं। आज सब कुछ विपरीत हो रहा है ना तो परवाह है रीति रिवाजों की ना सामाजिक मूल्यों की बस यदि है तो मौनू के कितने प्रकार के व्यंजन है, पेय पदार्थ कितने हैं, बाहरी साज सज्जा कैसी है यदि इसमें कोई कमी रह जाती है तो सगे सम्बन्धी, मित्रगण अपनी प्रतिकूल टिप्पणी करने में देरी नहीं करते जबकि विवाह सामाजिक समरसता को उर्वर बनाने का माध्यम है। और इन सबकी आलोचना से बचने के लिए इंसान जिसके पास धन की कमी है वो किसी वित्तीय संस्था या साहुकार से कर्ज लेकर उनकी आलोचना से बचने का प्रयास करता है।

इस दृष्टी संस्कृति ने निम्न वर्ग को उच्च वर्ग की नकल करने के लिए, अपना शोषण करवाने को मजबूर कर दिया अब विवाहों में नैसर्गिक खुशियों का स्थान कृत्रिम साधनों के द्वारा अर्जित खुशियों ने ले लिया है। जिसमें मानसिक संतुष्टि के स्थान पर मानसिक अवसाद पनपने लगता है। हमारी संस्कृति को दूषित करने का बीड़ा ऐसे ही अति संपन्न वर्ग ने अपने कंधों पर उठाए रखा है। शादीसमारोह में रस्म से ज्यादा दिखावा हो रहा है। पूजा-पाठ, मंत्रोच्चारण और सात मैरी से ज्ञात लोग नवानीसी में

युद्ध में खुद लड़ चुके हैं बेंजमिन नेतन्याहू

इससे रही है, थीम इससे बांबर मारोह न व लिंगन न हो तमाचा र एंट्री न पर पूर्व दौरान र गीत तोते हैं। से भी प्रसन्न इन इन मंच गल - दोस्तों परिवार करते य एक न एक ने यही रे पास अपना इसके लगाम अन्धुओं आज कार है गारा से ने का पैसा के घर बुशियां देखा ने और खत्म नाप में खर्चा सेषन पूंजी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने हमास को खत्म करने की घोषणा कर दी है। ऐसा माना जा रहा है कि हालिया युद्ध से नेतन्याहू की गठबंधन की सरकार को थोड़ी स्थिरता मिलेगी। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने इजरायल की अति-रुदिवादी पार्टियों की मदद से सरकार बनाई है। उन पर भ्रष्टाचार का मुकदमा भी चल रहा है। इजरायल के वरिष्ठ नेता बेंजमिन नेतन्याहू को 'बीबी' नाम से भी जाना जाता है। वह अखिरी बार पिछले साल (2022) में एक नवंबर को चुनाव जीते थे और 29 नवंबर को छठी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। इस सरकार को अल जजीरा ने इजरायल के इतिहास का सबसे धार्मिक और कट्टरपंथी सरकार बताया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेतन्याहू की सरकार को अतिराष्ट्रवादी धार्मिक गुणों का भी समर्थन हासिल है। नेतन्याहू के नाम इजरायल का सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड है। बेंजमिन नेतन्याहू का जन्म 1949 में तेल अवीव (इजरायल का एक शहर) के जाफा में हुआ था। नेतन्याहू की मां तजिला सेंगल एक इजरायली मूल की यहूदी थीं और पिता बैंजियन नेतन्याहू लोलैंड के यहूदी थे। वह पेशे से इतिहासकार थे और अकादमिक जगत में उनकी पहचान थी। पहले बेंजमिन नेतन्याहू के पिता का नाम बैंजियन मिलेकोव्स्की हुआ करता था। फिलिस्तीन में बसने के बाद उन्होंने अपना सरनम बदल लिया। इजरायल के प्रधानमंत्री के पुरुषों की जड़ें स्पेन से जुड़ी बताई जाती हैं। साल 1963 में बेंजमिन नेतन्याहू का परिवार अमेरिका

में लैंड होने पर हाईजैक कर लिया था, उसी दौरान नेतन्याहू घायल हुए थे। नेतन्याहू 1973 के अरब-इजरायल युद्ध में भी अपने देश के लिए लड़े थे। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के भाई जोनाथन 1976 में युगांडा में मारे गए थे। वह एक अपहत विमान से बंधकों को छुड़ाने के लिए किए गए ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे थे। नेतन्याहू ने अपने भाई की स्मृति में एक आतंकवाद विरोधी संस्थान की स्थापना की। 1982 में बेंजमिन नेतन्याहू को वाशिंगटन स्थित इजरायल दूतावास में चीफ ऑफ मिशन बनाकर भेजा गया। 1984 में उन्हें संयुक्त राष्ट्र में इजरायल का राजदूत नियुक्त किया गया। नेतन्याहू अंग्रेजी के अच्छा बक्ता है। इसकी मदद से वह जल्द ही अमेरिकी टेलीविजन पर जाना-पहचाना चेहरा बन गए। वह अमेरिका में इजरायल का पक्ष प्रभावी तरीके से खबने के लिए जाने गए। प्रधानमंत्री यित्जाक शमीर के कार्यकाल में नेतन्याहू को उप विदेश मंत्री बनाया गया था। जल्द ही पार्टी में भी उनका कद बढ़ गया। 1993 में वह इजरायल की दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के अध्यक्ष बन गए। 1992 के चुनाव में लिकुड पार्टी को हार मिली थी। नेतन्याहू ने जीत के लिए रणनीति बनाई। हालांकि कुछ बक्त बाद ही नेतन्याहू के हाथ से पार्टी की कमान निकलकर एरियल शेरोन के हाथों में चली गई। 2005 में शेरोन के लिकुड छोड़कर कदीमा बनाने के बाद ही नेतन्याहू को पार्टी की कमान वापस मिली।

नेतन्याहू पहली बार साल 1996 में प्रधानमंत्री बने और 1999 तक पद पर रहे। इसके बाद 2002 से 2005 तक विपक्षी 12

विज्ञ और अवसेशन



डॉ. सुरेश कुमार मग्ना

से ल स बॉय
सूट-बूट पहने,
“आइ-ए-आइए
स र !
‘महास्मार्ट शॉपिंग मॉल’ में
आपका स्वागत है। हमारे पास
सभी सीजन की टेक्निकल चीजें
मिलती हैं। “ग्राहक ने कहा, “यह
क्या, यहाँ तो बड़ी ठंडक है।
बदन जकड़ा जा रहा है। ऐसी
ठिठुरती ठंडी में आदमी सामान
खरीदने से ज्यादा शौचालय के
चक्रकर लगाएगा।”
“साहब यह सब हमारे
‘महास्मार्ट एसी’ का कमाल है।
एकदम हाइली अडवांस टेक्निक
से काम करता है। शरीर के भार
और आकार के हिसाब से या यूँ
कहिए कि उसके क्षेत्रफल के
हिसाब से उतनी ही ठंडक देता है
जितना कि सामने वाला सह

जाए। मालिक को मालिक
हिसाब से, मालकिन
मालकिन के हिसाब से ठंड
देता है। एक बार यह ऐसी आप
दिमाग में बैठ गया तो आप दूर
ऐसी के बारे में भूलकर भी न
सोचेंगे।” “हाँ-हाँ सही कहते हैं
ठंड के मारे मेरा दिमाग जक
जा रहा है। सिरदर्द होने लगा
आदमी जो लेगा सो लेगा उस
पहले वह अपना इलाज कर
अस्पताल जाएगा।” “यह स
छोड़िए साहब! बताइए आप
क्या चाहिए?” “मुझे कुछ न
प्रॉडक्ट्स दिखायें। एकदम हाइ
अडवांस और स्मार्ट।” “जरूर
जरूर! साहब यह छतरी देखिया
गर्मी में धूप से बचाता है उस
बरसात में पानी से।” “वाह! व
कमाल की छतरी है। इत
कमाल की छतरी को शोरूम

के क्यों, विश्व धरोहर के अंतर्गत को संप्रहालय में रखवाना चाहिए।” “अरे साहब! आप मजाक समझते हैं। यह कोई ऐसी-वैसी छतरी नहीं है। धूप में ऐसी बनकर ठंडक देता है। बरसात में पानी सोख लेता है।” डा नसे नने नब को नए ली र-ए। और न्या नी मैं क्यों, विश्व धरोहर के अंतर्गत को संप्रहालय में रखवाना चाहिए।” “अरे साहब! आप मजाक समझते हैं। यह कोई ऐसी-वैसी छतरी नहीं है। धूप में ऐसी बनकर ठंडक देता है। बरसात में पानी सोख लेता है।” “अच्छा-अच्छा! यह सब रहने दीजिए। आपके पास सभी सीजन के लिए कोई अच्छा सा कोट है?” “हाँ-हाँ क्यों नहीं! यह देखिए ‘ऑल सीजनल 365’ कोट। यह बड़ा कमाल का कोट है।” ठंडी में गर्मी और गर्मी में ठंडक देता है।” “अगर बरसात और गर्मी एक साथ आ जाए तो” “तब तो यह कोट और भी बढ़िया काम करता है। बरसात के पानी को बर्फ बनाकर गर्मी भगा देता है।” “यहाँ तो सभी आइटम ऑल सीजनल हैं। क्यों?” “साहब पहले बरसात में बरसात, ठंडी के ठंडी और गर्मी के समय गौसम आता था। अब गौसम कॉकटेल की मिलकर आते हैं।” इसलिए हमें ऐसे प्रॉडक्ट बनाने पड़ रहे हैं, जो सभी में काम कर सके।” “तब उन दिन दूर नहीं कि आप लोग भी कट बनायेंगे जो पारदर्शी होंगे। जिसे केवल देने वाला महसूस कर और बाकी लोग बिलकुल नहीं कर पता?” “क्योंकि आप लोग नहीं कर रहे, ग्राहक का उड़ा रहे हैं। सीजन के नए ग्राहक का विजन खराब रख दिया है।”

ऐसा नात के समय र्मी का सभी तरह डक्टर्स मौसम तो वह ग ऐसे एक दम ल पैसे सकेगा नहीं।“ कैसे व्यापार मजाक काम पर करके इनकारे पर होना चाहिए। उन्होंने पड़ोसी अरब देशों के साथ समझौते को भी मानने से इनकार कर दिया था। अमेरिका जाने से पहले बैंजामिन नेतन्याहू की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई यरूशलेम (इजरायल की राजधानी) में हुई थी। आगे की पढ़ाई अमेरिका में हुई। बैंजामिन नेतन्याहू जब 18 साल के थे, तब उनका परिवार इजरायल लौटा। वह 1967 में इजरायल की सेना में शामिल हो गए। वह इजरायली सेना के एक विशेष कमांडो यूनिट सायरेट मटकल में कप्तान थे। सेना में रहते हुए वह फिलिस्तीनी उग्रवादियों के एक हमले में घायल हो गए थे। दरअसल 1972 में फिलिस्तीनी उग्रवादियों ने बैल्जियम के विमान को इजरायल पर आरोप है कि उन्होंने अपने करोड़पति दोस्तों से महंगे गिफ्ट्स लिए और इसके बदले उन्हें फायदा पहुंचाया। ऐसे लोगों में ऑस्कर-नॉमिनेटेड इजरायली-अमेरिकी हॉलीवुड प्रोड्यूसर आर्नन मिलचन का भी नाम है। आरोप है कि साल 2009 में मिलचन ने नेतन्याहू को करीब एक लाख डॉलर के गिफ्ट्स दिए थे, जिसमें महंगी शाराब और सिगार शामिल थे। इसके बदले प्रधानमंत्री ने उन्हें अमेरिकी बीजा दिलाने में मदद की। साल 2019 में नेतन्याहू को पॉजिटिव कवरेज के बदले मीडिया टाइकून को फायदा पहुंचाने का आरोप लगा था। नेतन्याहू ने इजरायल के अखबार 'येदियत अहरोनात' से अपने पक्ष में खबर चलवाई थी। हालांकि नेतन्याहू ने किसी गलत काम में अपनी संलिप्तता से इनकार किया।

तमना भाटिया का 18 साल पुराना वीडियो हुआ वायरल 10वीं क्लास में भी एक्ट्रेस का था ऐसा 'चांद सा रोशन चेहरा'

मशहूर एक्ट्रेस तमना भाटिया का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह खुद को 10वीं क्लास में बात रही है। एक्ट्रेस का ये वीडियो देख फैस खूब रिकॉर्ड करने लगे। कुछ ने उनकी उम्र पर सवाल उठाया तो कुछ ने कहा कि वह आज भी बहुत यंग और खूबसूरत लगती है। मशहूर एक्ट्रेस तमना भाटिया ने करियर की शुरुआत साल 2005 में अभिजीत सावंत के म्यूजिक एलब्म 'लफजों में' से की थी। लेकिन क्या आप जानते हैं एक्ट्रेस को पहली फिल्म साल 13 साल की उम्र में मिल गई थी। जब उनकी पहली फिल्म परो हुई तो वह 10वीं क्लास में थीं। ये बात खुद तमना भाटिया को एक आडिशन में कही थी। एक्ट्रेस का 18 साल पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें देख फैस हक्का बताता है। अब 18 साल पुराना एक्ट्रेस का लुक देख फैस हक्का बताता है। कुछ कह रहे हैं कि तमना आज भी बिल्कुल नहीं बदली तो कुछ कह रहे हैं कि वह वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें बात रही है कि वह कौन सी



क्लास में हैं और उनका डेव्यू कैसे हुआ। अब 18 साल पुराना एक्ट्रेस का लुक देख फैस हक्का बताता है। कुछ कह रहे हैं कि तमना आज भी बिल्कुल नहीं बदली तो कुछ कह रहे हैं कि वह वीडियो में थीं। मैं अभी स्कूल

एक्ट्रेस के लिए 'शेल्फ लाइफ' शब्द के इस्तेमाल पर ऋचा को है आपत्ति, बोली- मैं जैम की बोतल नहीं



अभिनेत्री ऋचा चूड़ा इन दिनों 'फुकरे 3' को लेकर चर्चा में है। इस तिबंधन को रिलीज हुई इस किल्म में भोली जंजाबन बनकर ऋचा ऋचा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2008 में 'ओए लक्की! लक्की ओए' से बॉलीवुड में डेव्यू किया था। तब से अब तक उन्होंने कई अहम रोल अदा किए हैं। ऋचा चूड़ा ने हाल ही में हीरोइनों के लिए इस्तेमाल होने वाले 'शेल्फ लाइफ' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है।

हाल ही में ऋचा चूड़ा ने 'शेल्फ लाइफ' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताते हुए कहा, 'मैं कोई जैम की बोतल नहीं हूं।' इसके बाद

'उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं?' छोटी उम्र की हीरोइनों संग एक्टरों के रोमांस पर भड़कीं रत्ना पाठक शाह



रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म धक्का में है। यह फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

शार्टख से लेकर सलामान पर क्षस तंज?

मालूम हो कि बॉलीवुड में अभी सलमान, शाहरुख, अक्षय कुमार और अमिर खान ऐसे स्टार्स हैं, जो फिल्मों में खुद से आधी उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करते नजर आते हैं। अपने बालन में रत्ना पाठक शाह ने कहीं भी इन स्टार्स का नाम नहीं लिया, पर इशारा उन्होंने की तरफ माना जा रहा है।

'वर्त बदलेगा, महिलाएं लीड करेंगी'

रत्ना पाठक शाह मानती है कि जल्द ही अब सिनेमा में बदलाव आएगा और महिलाएं लीड करती दिखेंगी। वह बोलीं, 'बदलाव होगा। मुझे यकीन है, महिलाएं अब बुकाव या खूबसूरत में नहीं रह रही हैं। हम आज आधिक रूप से अधिक बजवात हैं। हम कुछ कहानियों को आगे बढ़ाएंगे, महिलाएं अपना रसाना बनाएंगे। इसमें समय लगाएंगे लेकिन हम निश्चित रूप से अपना रसाना बनाएंगे।'

'धक धक' ने दिल्ली रत्ना पाठक शाह

बात करने वाले ने कहा कि एक्टरों के साथ रोमांस करने में शर्म नहीं आती। रत्ना ने कहा कि जब एक्टरों को ही इसमें शर्म नहीं है, तो फिर वह ही क्या करेंगे। नीसीरुदीन शाह की बाइफ और एक्ट्रेस

रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

शार्टख से लेकर सलामान पर क्षस तंज?

मालूम हो कि बॉलीवुड में अभी सलमान, शाहरुख, अक्षय कुमार और अमिर खान ऐसे स्टार्स हैं, जो फिल्मों में खुद से आधी उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करते नजर आते हैं। अपने बालन में रत्ना पाठक शाह ने कहीं भी इन स्टार्स का नाम नहीं लिया, पर इशारा उन्होंने की तरफ माना जा रहा है।

'वर्त बदलेगा, महिलाएं लीड करेंगी'

रत्ना पाठक शाह मानती है कि जल्द ही अब सिनेमा में बदलाव आएगा और महिलाएं लीड करती दिखेंगी। वह बोलीं, 'बदलाव होगा। मुझे यकीन है, महिलाएं अब बुकाव या खूबसूरत में नहीं रह रही हैं। हम आज आधिक रूप से अधिक बजवात हैं। हम कुछ कहानियों को आगे बढ़ाएंगे, महिलाएं अपना रसाना बनाएंगे। इसमें समय लगाएंगे लेकिन हम निश्चित रूप से अपना रसाना बनाएंगे।'

'धक धक' ने दिल्ली रत्ना पाठक शाह

बात करने वाले ने कहा कि एक्टरों के साथ रोमांस करने में शर्म नहीं आती। रत्ना ने कहा कि जब एक्टरों को ही इसमें शर्म नहीं है, तो फिर वह ही क्या करेंगे। नीसीरुदीन शाह की बाइफ और एक्ट्रेस

रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

रत्ना इस वर्ष अपनी फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। 'इंडियाडे कॉन्क्लेन' के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टारिंगशेष और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की। रत्ना पाठक शाह ने कहा, 'जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि वह शर्मिंदी है।'

रत्ना

